आज़ादी और रोटी

एक कुत्ते की एक भेड़िये से दोस्ती हो गई। हुआ यह कि कुत्ता भेड़िये का पीछा कर रहा था। कुत्ता खूब तगड़ा था और भेड़िया कुछ कमज़ोर था। भेड़िया भागते-भागते थक गया और एक तालाब के किनारे सुस्ताने लगा। कुत्ता तालाब की दूसरी तरफ आकर रुक गया और भौंकने लगा। फिर दोनों की नज़र अपनी-अपनी परछाई पड़ी। दोनों को लगा की उनकी शक्लें आपस में मिलती हैं। शायद दोनों के पुरखे एक ही रहे हों। इस तरह उन बीच दोस्ती हो गई।

भेड़िये ने कुत्ते से कहा, 'अजीब बात है। हम दोनों एक ही खानदान के हैं। लेकिन तुम इतने तगड़े हो और मैं इतना दुबला-पतला?'

कुत्ता बोला, 'मेरा मालिक मुझे हर रोज़ बढ़िया खाना देता है।'

भेड़िया बोला, 'और मुझे कई-कई दिन तक खाना नहीं मिलता। इस जंगल में शिकार के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है।'

कुत्ते ने कहा, 'तुम कुछ दिन मेरे मेहमान बनकर रहो। मेरा मालिक तुम्हें भी बढ़िया खाना देगा। कुछ दिन में तुम भी तगड़े हो जाओगे।' भेड़िये ने कुत्ते की बात मान ली।

एक दिन भेड़िया टहलते-टहलते शहर जा पहुंचा। किसी तरह लोगों की नज़रों से बचकर अपने दोस्त के पास पहुंच गया। कुत्ते ने उसका खूब स्वागत किया। उसे बढ़िया खाना खिलाया, इधर-उधर घुमाया और फिर अपनी कोठरी में ले गया।

कोठरी को देखकर भेड़िया बोला, 'क्या तुम इस छोटी-सी कोठरी में रहते हो? यहां से तो आसमान भी दिखाई नहीं देता। मैं एक दिन यहां रहूं तो मर जाऊं।'

कुत्ता बोला, 'शहरों में जगह कम होती है न। सबको छोटी-छोटी कोठरियों में ही रहना पड़ता है।'

भेड़िया मान गया। थोड़ी देर बाद उसकी नज़र पास में पड़ी लोहे की एक सांकल पर गई। उसने पूछा, 'यह क्या है?' कुत्ता बोला, 'यह सांकल है। मालिक कभी-कभी मुझे इससे बांधकर रखते हैं।' भेड़िया उठकर चलने लगा। कुत्ते ने पूछा, 'क्या हुआ?'

भेड़िये ने एक बार मुड़कर सांकल को देखा और कहा, 'भाई यह बढ़िया खाना तुम्हें मुबारक। गले में सांकल मुझे बिल्कुल अच्छी नहीं लगती। मैं भूखा रह लूंगा लेकिन यह बंधन कभी सहन नहीं करूंगा।'

कुत्ते ने भेड़िये को समझाने की कोशिश की लेकिन भेड़िया अपने रास्ते चल दिया।

प्रेमलता वात्स्यायन

कापी में लिखो –

1. भेड़िये और कुत्ते की मुलाकात कैसे और किस जगह हुई?

   – भेड़िया दुबला-पतला क्यों था और कुत्ता इतना तगड़ा क्यों था?

   – भेड़िया कुत्ते की कोठरी में क्या सहन नहीं कर पाया?

2. अगर दोनों की शक्लें आपस में नहीं मिलतीं तो क्या उनमें दोस्ती हो पाती? कहानी आगे कैसे बढ़ती?

3. भेड़िये को आज़ादी और दुबला रहना पसंद है और कुत्ते को बंद रह कर मोटा ताज़ा रहना पसंद है। तुम्हें किसकी बात ज़्यादा सही लगती है? आपस में बातचीत कर के लिखो।

4. नीचे कहानी का सार दिया गया है, लेकिन उसके वाक्य आगे-पीछे हो गये हैं। वाक्यों के सामने अंक लिखकर उन्हें सही क्रम में जमाओ और कापी में लिखो।

...भेड़िया कुत्ते के घर चला गया।...कुत्ता मोटा था और भेड़िया पतला था। .... एक दिन एक भेड़िये और कुत्ते की मुलाकात हुई। ...कुत्ते ने भेड़िये को घर बुलाया। ....कुत्ते ने ये भी बताया कि उसका मालिक उसे बांध कर रखता है।.....कुत्ते ने बताया कि मालिक बढ़िया खाना देता है। ..... एक दिन भेड़िया कुत्ते के घर आया। .....उसने देखा कि कुत्ता छोटी अंधेरी कोठरी में रहता है।

5. इस कहानी में जो भी नए शब्द तुमने पहली बार देखे हैं, उन पर गोला लगाओ। उनके मतलब पता करो।

6. कहानी में भेड़िये और कुत्ते के जीवन में क्या-क्या अंतर थे लिखो? एक अंतर मैंने लिखा है –

भेड़िया	कुत्ता
भेड़िया जंगल में रहता था।	कुत्ता शहर में रहता था।

भेड़िया

जानवरों में कुत्तों की जातियों वाला एक परिवार होता है। इस परिवार में भेड़िया, लोमड़ी, सियार, लकड़बग्घा और जंगली कुत्ते भी होते हैं। भेड़िया इस परिवार का सबसे ताकतवर जानवर होता है। वह बकरी या भेड़ को भी उठा कर तेज़ी से भाग सकता है।

भेड़िया जंगल में ही नहीं रहता– वह मैदानी इलाकों में भी रहना पसंद करता है। अक्सर वह रात में शिकार करता है। शिकार की तलाश में वह कभी-कभी दिन में 60 किलोमीटर तक की दौड़ लगा जाता है। और इस भागदौड़ के बाद जरूरी नहीं कि उसे सफलता मिले। इसलिए भेड़िया जब कोई अच्छा शिकार मारता है तो जी भरकर खा लेता है। वह एक बार में दस किलो तक का मांस हज़म कर सकता है। लेकिन भेड़िये को भूखा रहना भी आता है–वह पूरे एक सप्ताह तक भूखा रह सकता है।

नीचे लिखे वाक्यों को पढ़ो।

गाय दूध देती है।
बकरी दूध देती है।
शेर दहाड़ता है।
कुत्ता भौंकता है।
बिल्ली दूध पीती है।
बच्चे गेंद से खेलते है।
पुस्तक को पढ़ते हैं।
घोड़ा मैदान में दौड़ता है।

वाक्यों में से छांटकर लिखो।

(नाग)संज्ञा _____ (काम)क्रिया _____

और काम क्या–क्या होते है, उन्हें लिखकर वाक्य बनाओ।

प्रश्न नीचे लिखे वाक्यों के विपरीत अर्थ वाले वाक्य बनाओ तथा उसके सामने लिखो कि कौनसा शब्द बदलना पड़ा। जैसे –

		शब्द बदलना पड़ा
1– कमरे में <u>उजाला</u> था।	1– कमरे में <u>अंधेरा</u> था।	उजाला का अंधेरा
2– वैभव बहुत विद्वान था।	2– ————	————
3– मालती का घर दूर है।	3– ————	————
4– मोहन देर तक सोता है।	4– ————	————
5– मीना देर तक सोती है।	5– ————	————
6– लक्ष्मी बहुत हँसती है।	6– ————	————

अकाल और उसके बाद

कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास
कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उनके पास
कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त
कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त।
दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद
धुआं उठा आंगन से ऊपर कई दिनों के बाद
चमक उठी घर भर की आंखें कई दिनों के बाद
कौए ने खुजलाई पांखें कई दिनों के बाद

नागार्जुन

अभ्यास

1. कई दिनों तक चूल्हा ना जलने का क्या अर्थ है? ------------------------

2. इस कविता में अकाल शब्द का क्या मतलब है? ------------------------

3. *इन के क्या अर्थ हैं? कॉपी में लिखो।*

क. चक्की रही उदास।　　　ख. चूहों की शिकस्त हालत।

ग. कौए का पंख खुजलाना।　　　घ. आंखें चमक उठीं।

च. आंगन से धुआं उठना।

4. **कॉपी में वाक्य बनाओ** - क) कई दिनों से ....　ख) बहुत दिनों से ....　ग)बहुत दिनों के बाद ...　घ) बहुत दिन तक ....।

5. इन वाक्यों को पढ़ो। हर वाक्य के लिए एक छोटी कहानी बनाओ।

क. चलो वहीं चलें उस घर में खाना जरूर मिलेगा उस आंगन से धुआं उठ रहा है।

ख. हमारे घर तो कई दिनों से चूल्हा नहीं जला।

6. कविता में अकाल के बारे में क्या-क्या बातें बताई गई हैं। ------------------

----

7. अगर तुम्हारे घर कई दिनों तक पानी नही हो तो क्या-क्या मुश्किलें होंगी। ------------

----

पानी नहीं होने का कॉपी में चित्र भी बनाओ।

आओ, कुछ और अभ्यास करें :

1. यहाँ शब्दों के दो रूप दिए जा रहे हैं। इन्हें पढ़ो और इनमें फर्क पहचान कर दोनों के लिए अलग–अलग वाक्य बनाओ। मैंने पहले दो के लिए बनाए, तुम बाकी के लिए बनाओ।

1. *रोई, रोया* 2. *सोई, सोया* 3. *उठी, उठा* 4. *आयी, आया* 5. *रही, रहा*

जैसे,

सब जा रहे थे तो मीनू बहुत **रोई**। ----------

तोता उड़ गया तो मुकेश बहुत **रोया**। ----------

---

2. अब कविता पढ़ो और उसमें से स्त्रीलिंग एवं पुल्लिंग के शब्द छाँटकर लिखो।

स्त्रीलिंग चक्की ----------

पुल्लिंग चूल्हा ----------

3. कविता में पूरी पंक्तियाँ और कुछ आधी पंक्तियाँ स्त्रीलिंग एवं पुल्लिंग में है। ऐसी पंक्तियाँ चुनकर लिखो

स्त्रीलिंग	*पुल्लिंग*
चक्की **रही** उदास	कई दिनों तक चूल्हा **रोया**
---	---
---	---
---	---

4. कविता में दो अलग–अलग समय की बातें बताई गई हैं। छाँटकर लिखो।

'कई दिनों तक' क्या–क्या होता रहा।	*'कई दिनों के बाद'* क्या–क्या हुआ।
---	---
---	---
---	---
---	---

समीना की डायरी

डायरी का अर्थ है एक दिन में जो हुआ उसका विवरण लिखना। तुमने पहली किताब में चाचाजी की डायरी का एक पन्ना पढ़ा था। उस दिन चाचाजी ने एक सेही को ..... याद है न?

यहां पर भी डायरी का एक हिस्सा दिया गया है। यह डायरी समीना नाम की एक लड़की की है। समीना की अम्मा कई घरों में काम करती है। 4-5 दिनों से उसकी अम्मा बीमार थी इसलिए समीना स्कूल नही गई थी।

दिनांक 25-7-90

दिन बुधवार

आज अम्मा की तबीयत कुछ ठीक है। सुबह जब मैं उठी तो देखा कि वे काम पर निकल चुकीं थीं। चार-पांच दिनों से मैं स्कूल नहीं गई थी – अम्मा का काम जो करना पड़ता था। आज मैं स्कूल जाना चाहती थी। पता नहीं गुरूजी ने क्या-क्या पढ़ा दिया होगा। और फिर लक्ष्मी, दिलीप, सायना से भी तो कई दिनों से नहीं मिली । पर आपा ने कहा 'अम्मा की बीमारी के बाद आज काम पर जाने का उनका पहला दिन है। आटा-चक्की वाले दद्दा के घर पर सबसे ज़्यादा काम होता है, उनके घर जाकर काम में अम्मा का हाथ बंटाओ। काम जल्दी निपट गया तो स्कूल भी जा सकती हो।'

जब मैं निकली तो हल्का-हल्का पानी गिर रहा था। करीब साढ़े-आठ बजे मैं दद्दा के घर पहुंची। अम्मा अभी वहां नहीं पहुंची थीं। मैं फटाफट काम पर लग गई। भैंस की कोठरी की सफाई की, गड्ढे में गोबर डाला, भैंस को नहलाया।

इतने में अम्मा भी आ गईं। हम दोनों घर के काम में लग गए। जब बहूजी से टाइम पूछा तो 10 बज चुके थे। मैं घर भागी। बारिश तेज़ हो चुकी थी, मैंने पन्नी का एक टुकड़ा साथ लिया, और भागी स्कूल की ओर। पर फिर भी देर हो गई। सब अपने-अपने काम मे लग चुके थे।

बगुले की कहानी लिखनी थी। मुझे तो कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करना है। पहले डर के मारे पूछा नहीं। फिर थोड़ी देर बाद पूछा तो गुरूजी खीज उठे।' समझ मे आयगा बी कैसे, एक तो रोज़ आती नहीं हो और आती भी हो तो देर से।' मैंने उन्हें स्कूल न आ सकने का कारण बताया। तब उन्होंने मुझे समझाया। पहले मुझे 'क्या तुम मेरी अम्मा हो' कहानी पढ़ने को कहा। मैं पढ़ने लगी। मज़ेदार लगी। मैं तो पढ़ ही रही थी पर श्याम लाल और सायना ने तो अपनी कहानी पट्टी पर लिख भी ली थी। वे गुरूजी को दिखाने लगे। दिलीप और इमरान एक दूसरे के बाल खींच रहे थे। गुरूजी ने उन्हें डांटा।

उतने में 10 मिनट की छुट्टी हो गई। मैंने सायना और लक्ष्मी से खूब बातें कीं। लक्ष्मी के घर कल ही छोटा भाई हुआ था। वो बहुत मज़े से हमें उसके बारे में बता रही थी।

फिर कक्षा लगी। गुरूजी ने हमें टोलियों में बैठाकर हर टोली को दो-दो पांसे दिए। कक्षा तीसरी की पुस्तक के पीछे-वाली सांप-सीढ़ी खेलने को कहा।

पर एक नया नियम बताया। दोनों पांसे इकट्ठे चलो और उनके अंकों को जोड़ कर आगे बढ़ो। संतू, दिलीप, इमरान, लक्ष्मी, सायना और मैं एक टोली में बैठे। इस जोड़ वाले में हम तेज़ी से आगे बढ़ते। और झट से सांप के मुंह में भी पहुंचते। बहुत मज़ा आया। दिलीप सबसे पीछे था तो वो खेल छोड़कर भाग गया। हम लोगों ने तो तीन-चार बार खेला। आधी छुट्टी भी हो गई पर हम खेलते रहे।

पूरी छुट्टी के बाद मैं लक्ष्मी के साथ उसके भाई को देखने चली गई। वो लाल-लाल सा था और बार-बार गीला कर रहा था। घर आकर मैंने सबको उसके बारे में बताया।

आज स्कूल में कितना मज़ा आया। रोज़ जाने को मन करता है। पर क्या करूं, कई बार आम्मा के साथ काम करने की वजह से स्कूल छूट जाता है।

समीना की डायरी पर सवाल अपनी कापी में करो

- यह डायरी किस तारीख को लिखी गई?
- समीना को स्कूल पहुंचने में देरी क्यों हुई?
- समीना ने स्कूल जाने से पहले क्या-क्या किया? (ये हमें उसकी डायरी के कुछ वाक्यों से पता लगता है। उन वाक्यों को ढूंढ कर उनके नीचे पेंसिल से लकीरें खींचो। एक पर मैंने पहले ही निशान लगा दिया है।)
- जब समीना स्कूल पहुंची तो वहां क्या हो रहा था?
- समीना के स्कूल में उस दिन क्या-क्या हुआ? कोई भी तीन बातें लिखो।

अब तुम भी कापी में अपनी डायरी लिखो। डायरी लिखने की शुरूआत आज ही करो। रोज़ चाहो तो रोज़ लिख सकते हो, पर हफ्ते में कम-से-कम एक दिन तो ज़रूर लिखना। डायरी जितनी बड़ी चाहो उतनी लिखना, यह ज़रूरी नहीं कि रोज़ एक जितनी ही डायरी लिखी जाए।

कभी चाहो तो कक्षा के पीछे एक रस्सी टांगकर उस पर अपनी-अपनी डायरी का पन्ना टांग सकते हो।

क्या तुम सोच सकते हो कि डायरी लिखने का क्या उपयोग हो सकता है?

कुछ दिन डायरी लिखने के बाद इस सवाल का जवाब फिर से दो?

स्कूल के अलावा अन्य किसी बात की डायरी लिखो (घर की, बाहर यात्रा की या खेल की)।